तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल का मासिक ई-न्यूज़लेटर

माह जून 2024

"अग्नीवीर योजना देश सेवा में करियर बनाने का युवाओं को स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है" - विषय विशेषज्ञ

अब सी ए फाउंडेशन और इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष में तीन बार आयोजित की जायेगी, अग्नीवीर योजना देश सेवा में करियर बनाने का युवाओं को स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है" उक्त विचार बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, एन एस एस और क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने व्यक्त किये* प्रकोष्ठ संयोजक डा सीमा श्रीवास्तव ने बताया कि विषय विशेषज्ञ के रूप में इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया भोपाल शाखा की अध्यक्ष सी ए पारुल श्रीवास्तव ने अपने उदबोधन में कहा कि अब सी ए फाउंडेशन और इंटरमीडिएट परीक्षा, वर्ष में तीन बार आयोजित की जायेगी, पहले यह वर्ष में दो बार आयोजित की जाती थी. जिन छात्रों ने किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था से कक्षा 12वीं परीक्षा पास की है वे सी ए फाउंडेशन परीक्षा दे सकते हैं. फाउंडेशन परीक्षा पास करने के बाद सी ए इंटरमीडिएट परीक्षा दी जाती है और अंतिम चरण सी ए फाइनल परीक्षा का होता है जिसे पास करने पर चार्टर्ड अकाउंटेंट की उपाधि प्राप्त हो जाती है. सी ए परीक्षा में शामिल होने के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं होता है. इस अवसर पर सी ए छात्रसंघ अध्यक्ष सी ए सुचिता गोयल भी उपस्थित रहीं. इस कार्यक्रम में एन सी सी ऑफिसर डॉ वर्षा चौहान

ने बताया कि अग्नीवीर योजना जल, थल और वायुसेना में देश सेवा कर करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है. 4 वर्षीय इस योजना में 6 माह की बेसिक ट्रेनिंग दी जाती है. लगभग 40 हजार रु प्रतिमाह वेतन और स्थायी सैनिको की तरह अवार्ड, मैडल एवं भत्ते की सुविधा दी जाती है तथा सरकार 44 लाख का बीमा भी कराती है इसमे 10वीं या 12वीं पास साड़े सत्रह से इक्कीस वर्षीय युवा आवेदन कर सकते हैं, एनसीसी बटालियन से सूबेदार उदाब पातर तथा हवलदार राकिंदर जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए अग्नीवीर योजना में सहभागिता करने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया. इस अवसर पर विषय विशेषज्ञों द्वारा छात्र छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया. कार्यक्रम के प्रारंभ में इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया भोपाल शाखा द्वारा प्राचार्य डॉ. संजय जैन को टोकन आफ एप्रीसिएशन प्रदान किया गया. प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि सी ए और अग्नीवीर दोनो क्षेत्र युवाओं को अपने उज्जवल भविष्य निर्माण का अवसर प्रदान करते हैं. विद्यार्थियों को इन अवसरों का लाभ लेना चाहिए. संचालन एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ, समता जैन ने किया तथा आभार क्रीडा अधिकारी श्रीमती सुषमा तिवारी ने व्यक्त किया.

1.05.2024

बेस्ट स्टूडेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी अवार्ड

बीएस सी तृतीय वर्ष बायोटेक्नोलॉजी के लक्ष्य इवने को उनकी अकादमिक उपलब्धि - प्रथम दो वर्षों में 83.3 सीजीपी प्राप्त होने एवं उल्लेखनीय एक्सट्रा करिकुलर- रिसर्च एंड इननोवेशन एक्टीविटी पर माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी, इंडिया के द्वारा बेस्ट स्टूडेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी अवार्ड दिया गया है. छात्र लक्ष्य इवने ने अपने रिसर्च वर्क - शैवाल (काई) के द्वारा एयर प्यूरीफायर बनाने का प्रयास कर युवा स्टार्ट अप प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तुत किया है किया है. उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं हैं.

4.05.2024

मेरा मत, मेरा अधिकार

लोकसभा निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए *जीतो बंपर इनाम* करवाया जा रहा है। जिसमें बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के संजय पटेल, स्नेहा मेहरा, राहुल रजक, गौरव जाधव, अनुष्का कुशवाहा स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

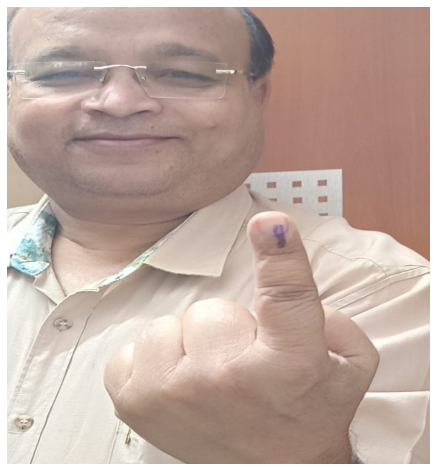

7.05.2024

Training session on Smart Class solution

Training session on Smart Class solution for class By Mr. Puneet Saxena Globus Infocom. The training on smart class solution has been designed to provide the in-depth knowledge of the usage, application, and features of the interactive display.

14.05.2024

"आधुनिक संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार

भारतीय ज्ञान परम्परा सबसे प्राचीन है जो विश्व मे आज भी प्रासंगिक है - डा.ए.डी.एन वाजपेयी

विश्व मे सबसे प्राचीन और समृद्ध भारतीय ज्ञान परम्परा है, अमेरिका और ब्रिटेन की अपनी कोई मौलिक ज्ञान परम्परा नही रही. विश्वविद्यालयों की अवधारणा का विकास भारत से ही हुआ है. आधुनिक संदर्भों में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रत्येक प्राणी और पूरे विश्व कल्याण के लिए है. इसमें नैतिकता और समृद्धि का साथ साथ समावेश है. उक्त विचार डा. ए डी एन वाजपेयी कुलपति अटलबिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने अपने कीनोट एड्रेस में तथा डा रितु तिवारी विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय नागपुर महाराष्ट्र ने विषय विशेषज्ञ के रुप में व्यक्त किए.

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में उच्च शिक्षा म.प्र.शासन द्वारा प्रायोजित तथा महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "आधुनिक संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार आयोजन किया गया. वेबीनार संयोजक डा. समता जैन ने

बताया कि इस अवसर पर कीनोट (बीज वक्तव्य) एड्रेस करते हुए मुख्य वक्ता अटलबिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डा. ए.डी.एन. वाजपेयी ने कहा कि विश्व मे सबसे प्राचीन और समृद्ध भारतीय ज्ञान परम्परा है, अमेरिका और ब्रिटेन की अपनी मौलिक कोई ज्ञान परम्परा नही रही. भारत सदैव से ज्ञान प्राप्ति का केन्द्र रहा है विश्वविद्यालयों की अवधारणा का विकास भारत से ही हुआ. नालंदा में विश्व भर से अध्ययन करने लोग आते थे. अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त की है. आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा भारत को ग्लोबल सुपर पावर बनने मे सहायक हो, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रही है, विद्यार्थियों का समाज से सीधा सरोकार होना चाहिए तथा सभी में आत्मप्रेरणा से दायित्व निर्वहन की परम्परा का विकास होना जरुरी है, हमारे वेद पुराणों की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है, जीवन की प्रत्येक चुनौतियों का सामना करने का साहस प्रदान करतीं हैं. ज्ञान और परंपरा के बीच में अगर कोई तालमेल है तो प्रकृति के माध्यम से ही बैठाया जा सकता है. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और आर्थर वेद चारों वेदों का जिक्र करते हुए यज्ञ की उपयोगिता समझाई, महाभारत, गीता, कालिदास, गुरुग्रंथ साहिब रसखान, कबीर के दोहों के महत्व बताते हुए उन्होंने परंपराओं बात की. आज हमारा देश विश्व गुरु बनने की सामर्थ रखता है जी-20 के उद्घाटन अवसर पर वसुदेव कुटुंबकम की धारणा की जब बात की गई तो इससे विदित होता है कि भारतीय ज्ञान परम्परा का आधुनिक संदर्भों में भी पालन हो रहा है आगामी सत्र में विभागाध्यक्ष अंग्रेजी डा इलारानी श्रीवास्तव द्वारा विषय विशेषज्ञ - डा. रितु तिवारी विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय नागपुर महाराष्ट्र का परिचय देते हुए उन्हे उद्बोधन के लिए आमंत्रित किया. डा रितू तिवारी ने अपने उद्बोधन में बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा हमेशा से पूरे विश्व के कल्याण के लिए रही है जो सभी प्राणियों को नमन करती है. वसुदेव कुटुंबकम की पक्षधर रही है जिसमे नैतिकता और समृद्धि के साथ साथ एक परिवार, एक राष्ट्र, एक पृथ्वी की अभिकल्पना का समावेश है. जो हमारा है वो सबका है. आधुनिक समय में अर्थशास्त्रियों को इन कसौटियों को परखना चाहिए. अर्थशास्त्र को कौटिल्य के अर्थशास्त्र की समग्रता से जोड़ते हुए बताया कि इंक्लूसिव ग्रोथ आज कितना भी हो जाए लेकिन मंदिर में दिए हुए दान से जो विकास किया जा सकता है उसके सामने किसी विकसित देश का भी ग्रोथ नहीं टिकती है डा तिवारी ने 10 सूत्रों श्लोक के माध्यम से वैदिकता नैतिकता और समर्पण की बात की है उन्होंने न्यूयॉर्क का उदाहरण देकर यह बताया कि किस प्रकार मुफ्त में मिलने वाली चीज से कभी भी व्यक्ति विकास नहीं किया जा सकता. वेबीनार के प्रारंभ में प्राचार्य डा. संजय जैन ने कुलपति डा एडीएन वाजपेई और डा रितु तिवारी विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र का स्वागत करते हुए महाविद्यालय का सौभाग्य माना कि उन्हें न केवल राष्ट्रीय वरन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों से भारतीय ज्ञान परम्परा जानने का अवसर मिल रहा है. विभागाध्यक्ष डा. सीमा श्रीवास्तव एवं प्रो. प्रतिभा डेहरिया ने महाविद्यालय और अर्थशास्त्र विभाग का परिचय दिया. आभार डा. मीता बादल ने व्यक्त किया. इस अवसर पर चयनित शोधार्थियों द्वारा अपने शोधपत्र का वाचन किया गया. इस राष्ट्रीय वेबीनार का कुशल संचालन करते हुए संयोजक डा समता जैन ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस महाविद्यालय को यह वेवबीनार आयोजन का अवसर किए जाने पर उच्च अधिकारियों सहित क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डा. मथुरा प्रसाद एवं जनभागीदारी अध्यक्ष माननीय श्री बारेलाल जी अहिरवार को कृतज्ञता ज्ञापित की तथा बताया कि हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर - प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, केरल, आंध्रप्रदेश तथा मध्यप्रदेश सहित 10 राज्यों से 240 शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने इसमें सहभागिता कर शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं. जिनका प्रकाशन किया जा रहा है.

Babulal Gaur Govt PG College,
BHEL, Bhopal (M.P.)
Sponsored by
Department of Higher Education M.P. under aegis of IQAC
One day National Webinar on-
"Indian Knowledge Tradition in Modern Context"
"आधुनिक संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा"
25th May, 2024
Time- 12:30pm
Mode: Online and Offline
Patron
Shree Barelal Ahirwar
Adhyaksha
Janbhagidari Samiti
Chief Patron
Dr. Mathura Prasad
Additional Director,
Bhopal- Narmadapuram Division
EMINENT SPEAKERS
Key Note Speaker
Prof (Dr.) A.D.N. Bajpai
Vice- Chancellor
Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya Bilaspur, Chhattisgarh
Resource Person
Prof (Dr.) Ritu Tiwari
HOD, Economics Dept,
Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya, Nagpur, Maharashtra
Convener
Prof (Dr.) Samta Jain
Professor of Economics
Head of College
Prof (Dr.) Sanjay Jain
Principal

69 others
SFEETI PADELE
12:47 PM | yey-esgk-htk

Sushma Jadon
Ashvanee Kumar
Nirmala Pandey
Aarti Sharma
seema shrivastava
Rohit Katele
Dr. Abhay Shankar ...
Dr.Carolin sanai
Thiruppathi KTM
pushpa soni
muktesh pillai
chitra khare
34 others
SFEETI PADELE
Samta Jain
Sanjay Jain
12:35 PM | yey-esgk-htk

seema shrivastava
Dr. Kushal Singh
Samta Jain
RAJDEEP B
Sangeeta Tomar
Sushma Daraphe
71 others
Ritu Tiwari
ila rani shrivastava
Sanjay Jain
Rohit Katele has raised a hand
Open queue
1:43 PM | yey-esgk-htk

25.05.2024

Ritu Tiwari
Sanjay Jain
Samta Jain
seema shrivastava
RAJDEEP B
RAJDEEP B
Sushma Duraphe
ila rani shrivastava
72 others
SFEETI PADELE
1:44 PM | yey-esgk-htk

Prof. Arun Diwaker Nath Bajpai
Samta Jain
Sushma Jadon
Ashvanee Kumar
Nirmala Pandey
Aarti Sharma
seema shrivastava
Rohit Katele
Dr. Abhay Shank...
Dr.Carolin sanai
Dr. Neeta Dube can now join this meeting
Thiruppathi KTM
pushpa soni
Sanjay Jain
muktesh pillai
preeti johri
Sonu Kumar Jour...
Multiple people want to join this call
Ishita Vaghela and Garima Jaoolkar
View
12:34 PM | yey-esgk-htk

Prof. Arun Diwaker Nath Bajpai
seema shrivas...
Samta Jain
Dr akta Hussain
Dr. Kushal Singh
Shalini Tiwari
Sanjay Jain
SFEETI PADELE pinned a tile for everyone.
ila rani shrivastava
66 others
SFEETI PADELE
12:44 PM | yey-esgk-htk

Ritu Tiwari
To exit full screen, press Esc
RAJDEEP B
ila rani shrivastava
harish lokhande
Dr. Kushal Singh
Sushma Duraphe
Samta Jain
Meeta Badal
71 others
SFEETI PADELE
1:52 PM | yey-esgk-htk

पी.जी. डिप्लोमा इन टूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट का शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक 26 मई 2024 को पी.जी. डिप्लोमा इन टूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। जिसमें पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. आर.के.खजवानियां के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के राज्य संग्रहालय, भारत भवन, शौर्य स्मारक, बिड़ला संग्रहालय का अवलोकन विद्यार्थियों ने किया। इस अवसर पर पर्यटन विषय विशेषज्ञ प्रो. ललित गौड़ ने भोपाल के दर्शनीय स्थलों का पर्यटन की दृष्टि से महत्व समझाया तथा अवगत कराया कि इन पर्यटन केन्द्रों से रोजगार के नए अवसर निर्मित होते है तथा संग्रहालय एक तरह के टाइम कैपस्यूल है जो एक विस्तृत कालखण्ड एवं क्षैत्र की विरासत को संजोय हुए है। समूह ने इन संग्रहालयों में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी अवलोकन तथा मूल्यांकन किया।

26.05.2024

सत्र 2023-24 राष्ट्रीय/राज्य स्तर/अन्तर विष्वविद्यालयीन राष्ट्रीय प्रतियोगिता

क्र	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	मों नं	अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर एनसीसी में अर्जित पदक, सहभगिता, सम्मान का विवरण
1	वेदान्त भारद्वाज	M.A. III Sem	7772018398	शतरंज–राज्यस्तरीय सहभागिता
2	पी. नदीम अली	B.Com. III Year	7440769674	ताईक्वांडो– अन्तर विश्वविद्यालयीन – सहभागिता
3	साक्षी उइके	B.Com. II Year	9399141877	बेसबॉल– अन्तर विश्वविद्यालयीन – सहभागिता
4	ताकेश्वरी साहू	B.Sc. II Year	7999623902	बेसबॉल– अन्तर विश्वविद्यालयीन – सहभागिता
5	वर्षा चन्द्रवंशी	B.Com. II Year	9301986861	बेसबॉल– अन्तर विश्वविद्यालयीन – सहभागिता
6	कृपाल बंसल	B.Com. III Year	8349774520	सॉफ्टबॉल– अन्तर विश्वविद्यालयीन – सहभागिता
7	नीतेश गुप्ता	B.Com. I Year	6264866441	बेसबॉल– अन्तर विश्वविद्यालयीन – सहभागिता
8	राजनंदनी सिंह सिसौदिया	M.A. I Sem	9131080249	रस्सी कूद (अन्तर विश्वविद्यालय ऑल इण्डिया) प्रतियोगिता 1. प्रथम स्थान– स्वर्ण पदक व्यक्तिगत प्रतियोगिता – स्पीड जॉगर 30 सैकेण्ड 2. सिंगल टच L3 स्पीड टीम प्रतियोगिता कांस्य पदक
9	विनय कुमार सेन	M.A. I Sem	9584369620	रस्सी कूद (अन्तर विश्वविद्यालय ऑल इण्डिया) प्रतियोगिता में स्पीड जॉगर 30 सैकेण्ड व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक